Moitreyee

Assistant Professor

B.Ed. Department

Sem- 2 , Paper –Knowledge and Curriculum

Topic- Meaning, nature, charateristics of teaching and difference between teaching and training

शिक्षण का अर्थ
(Meaning of Teaching)

शिक्षण का अर्थ है सीखने में सहायता करना, लेकिन प्रत्येक व्यक्ति अपने स्वयं के प्रयासों तथा अनुभवों के आधार पर सीखता है। शिक्षक अपने छात्र को सीखने में प्रेरणा दे सकता है, रुचि उत्पन्न कर सकता है, लेकिन वह स्वयं छात्र से कुछ नहीं सीखता। शिक्षण का शिक्षा से घनिष्ठ सम्बन्ध है। प्राचीन काल से ही गुरु शिष्य परम्परा रही है जिसमें गुरु, प्यार एवं स्नेह से अपने शिष्यों को आश्रम में पढ़ाता था। जैसे-जैसे समाज बदलता रहा शिक्षा का अर्थ भी बदलता रहा। अतः शिक्षण की कोई एक परिभाषा नहीं दी जा सकती क्योंकि शिक्षण एक सामाजिक प्रक्रिया है। साथ ही, शिक्षण की प्रक्रिया अधिगम के बिना पूरी नहीं होती, अर्थात् शिक्षण और अधिगम में गहरा सम्बन्ध होता है। शिक्षण की कुछ प्रमुख परिभाषायें इस प्रकार हैं—

स्मिथ—"शिक्षण, उद्देश्य-केन्द्रित क्रिया है।"

"Teaching is an objective centred activity." —*B.O. Smith*

बर्टन—"शिक्षण, अधिगम हेतु प्रेरणा, पथ-प्रदर्शन व प्रोत्साहन है।"

"Teaching is the stimulation, guidance, direction and encouragement of learing." —*Burton*

थाइन—"अधिगम में वृद्धि करना ही शिक्षण है।"

"Enrichment in learning is teaching." —*Thyne*

हफ तथा डंकन—"शिक्षण चार चरणों वाली एक प्रक्रिया है—योजना, निर्देशन, मापन तथा मूल्यांकन।"

"Teaching is a four phases activity—Planning, Direction, Measurement and Evaluation." —*Hough & Duncan*

जैक्सन—"शिक्षण दो या दो से अधिक व्यक्तियों के बीच आमना-सामना है जिसमें एक व्यक्ति (अध्यापक) दूसरे व्यक्ति (छात्र) में विशेष परिवर्तन लाना चाहता है।"

"Teaching is a face to face encounter between two or more persons, one of whom (the teacher) intends to effect certain changes in the other participant (the student)."—*Jackson*

मोरीसन—"शिक्षण एक परिपक्व व्यक्ति व कम परिपक्व व्यक्ति के बीच घनिष्ठ सम्बन्ध है जिसमें अधिक परिपक्व व्यक्ति कम परिपक्व व्यक्ति को शिक्षित करता है।"

"Teaching is an intimate contact between a more mature personality and a less mature one which is designed to further the education of the later." —*Morrison*

क्लार्क के अनुसार, **"शिक्षण एक प्रक्रिया है, जिसके प्रारूप तथा परिचालन की व्यवस्था इसलिए की जाती है, जिससे विद्यार्थियों के व्यवहार में परिवर्तन लाया जा सके।"**

"Teaching is that process in which teaching activities are designed and performed to produce change in student's behaviour."

—Clark (1970)

थॉमस एफ० ग्रीन के अनुसार, **"शिक्षण शिक्षक का वह कार्य है, जिसे बालक के विकास के लिए किया जाता है।"**

"Teaching is the task of teacher which is performed for the development of a child."

—Thomas F. Green (1971)

रॉयबर्न के अनुसार, **"दूसरों को सीखने के लिए दिशा-निर्देश देने तथा अन्य प्रकार से उन्हें निर्देशित करने की प्रक्रिया को शिक्षण कहते हैं।"**

"Teaching is concerned with the activities which are concerned with the guidance or direction of the learnning of others."

—Rybern

शिक्षण की प्रकृति
(Nature of Teaching)

शिक्षण की प्रकृति की निम्नलिखित रूपों में विवेचना की गई है—

(1) शिक्षण एक सोद्देश्यपूर्ण प्रक्रिया है (Teaching is a Purposeful Process)—शिक्षण से किसी न किसी उद्देश्य की पूर्ति होती है। बिना उद्देश्य के शिक्षण नहीं किया जा सकता क्योंकि किन्हीं विशिष्ट उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए ही शिक्षण की क्रियाएँ की जाती हैं।

(2) शिक्षण एक विकासत्मक प्रक्रिया है (Teaching is a Process of Development)—शिक्षण के द्वारा बालकों का विकास होता है, जिससे बालक को सही-गलत की पहचान होती है। यह विकास भावात्मक रूप से, ज्ञानात्मक रूप से तथा क्रियात्मक रूप से होता है, जिससे बालक मानसिक व शारीरिक रूप से क्रियाशील हो जाता है।

(3) शिक्षण सामाजिक व व्यावसायिक प्रक्रिया है (Teaching is Social and Professional Activity)—शिक्षण के द्वारा बालक समाज के अनुकूल कार्य करता है, जिससे वह समाज को सही ढंग से निर्मित कर सके। वह अपने समाज का कुशल नागरिक बन सके। शिक्षण के द्वारा ही बालक अपने व्यवसाय का निर्माण व चयन करके अपने जीविकोपार्जन के साधन बनाते हैं जिसके फलस्वरूप वह कुशलतापूर्वक अपने जीवन का निर्वाह कर सके।

(4) शिक्षण एक उपचार विधि है (Teaching is a Prescription)—शिक्षण में अध्यापक के सामने विद्यार्थियों की कई प्रकार की कठिनाइयाँ प्रदर्शित होती हैं जिन्हें अध्यापक अपने कौशलों के द्वारा दूर करता है। विद्यार्थियों में सुधार लाने के लिए शिक्षण में उपचार की आवश्यकता पड़ती है।

(5) शिक्षण एक तार्किक क्रिया है (Teaching is a Logical Activity)—शिक्षण में तर्क का प्रयोग किया जाता है, यह तर्क पाठ्यवस्तु के विश्लेषण, संश्लेषण के समय प्रयोग किये जाते हैं, जिनका प्रयोग अध्यापक करता है व आवश्यकता पड़ने पर विद्यार्थी भी करते हैं।

(6) शिक्षण एक अन्तःक्रिया है (Teaching is an Interactive Process)—शिक्षण एक अन्तःक्रिया होती है जो अध्यापक व विद्यार्थी के बीच होती है जिसमें अध्यापक शिक्षण देता है और विद्यार्थी शिक्षण को ग्रहण करता है।

(7) शिक्षण आमने-सामने होने वाली प्रक्रिया है (Teaching is a Face to Face Activity)—शिक्षण की प्रक्रिया दो व्यक्तियों के बीच पूर्ण होती है, जिसमें एक व्यक्ति अध्यापक व दूसरा विद्यार्थी होता है, इसलिए इसे एक-दूसरे के आमने-सामने होने वाली प्रक्रिया भी कहते हैं।

(8) शिक्षण त्रिध्रुवीय प्रक्रिया है (Teaching is a Tripolar Process)—शिक्षण की प्रक्रिया शिक्षण का उद्देश्य, सीखने के अनुभव व व्यवहार-परिवर्तन प्रक्रिया से होकर चलती है, इसलिए शिक्षण को त्रिध्रुवीय प्रक्रिया कहा जाता है।

(9) शिक्षण औपचारिक व अनौपचारिक प्रक्रिया है (Teaching is Formal and Informal Process)—शिक्षण विद्यालय में ही प्रदान नहीं किया जाता अपितु स्वतन्त्र रूप से इसे कहीं भी दिया जा सकता है व इसके लिए कोई समय निश्चित नहीं होता है। औपचारिक शिक्षण में शिक्षण की व्यवस्था समयावधि, पाठ्यक्रम, स्थान के आधार पर निश्चित होती है। इसके विपरीत, जब शिक्षण देने में न तो समय और न स्थान पर ध्यान दिया जाता है, तो उसे अनौपचारिक शिक्षण कहा जाता है।

(10) शिक्षण निर्देशन है (Teaching is a Guidance)—शिक्षण समय पड़ने पर विद्यार्थियों के लिए निर्देशन का कार्य करता है, जिससे विद्यार्थी की जिज्ञासा व अन्य कठिनाइयाँ का निवारण किया जा सके। यही कारण है कि विद्यालयों में निर्देशन एवं परामर्श (Coinselling) दोनों पर ही विशेष महत्व दिया जाता है।

(11) शिक्षण प्रेक्षण योग्य, मापने योग्य और सुधार योग्य है (Teaching is Observable, Measurable and Modifiale)—शिक्षण क्रियाएँ प्रेक्षणीय होती है। कक्षा में प्रत्येक क्रिया का अवलोकन किया जा सकता है। इन क्रियाओं का मापन भी हो सकता है। विभिन्न शिक्षण-विधियों द्वारा अध्यापक विद्यार्थियों के व्यवहार का मापन करता है व उनकी कमियों में सुधार भी कर सकता है।

(12) शिक्षण एक भाषायी प्रक्रिया है (Teaching is a Linguistic Process)—शिक्षण प्रक्रिया में शैक्षणिक सामग्रियों को विद्यार्थियों तक पहुँचाने के लिए भाषा का प्रयोग किया जाता है, अतः यह एक भाषायी प्रक्रिया है।

शिक्षण की विशेषताएँ
(Characteristics of Teaching)

शिक्षण की प्रक्रिया परिस्थितियों के अनुसार होती है। इसमें अध्यापक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और विद्यार्थी को ज्ञान प्रदान करता है जिससे विद्यार्थी के व्यवहार में परिवर्तन व ज्ञान में वृद्धि होती है। शिक्षण की कुछ प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं—

1. शिक्षण एक सामाजिक प्रक्रिया है। (Teaching is a social process).
2. शिक्षण कला व विज्ञान दोनों है। (Teaching is both art and science).
3. शिक्षण एक निर्देशन की प्रक्रिया है। (Teaching is a guidance process).
4. शिक्षण आमने-सामने होने वाली प्रक्रिया है। (Teaching is a process of face-to-face interaction.)
5. शिक्षण एक लक्ष्य केन्द्रित प्रणाली है। (Teaching is a goal-oriented process).
6. शिक्षण में तीनों स्तर-स्मृति-स्तर, बोध-स्तर, चिन्तन-स्तर सम्मिलित होते हैं। (In teaching three levels-Memory level, Understanding level and Reflective level are included).
7. शिक्षण विकास की प्रक्रिया है। (Teaching is a process of development).
8. शिक्षण एक त्रि-ध्रुवी प्रक्रिया है। (Teaching is a tri-polar Process).
9. शिक्षण औपचारिक एवं अनौपचारिक प्रक्रिया है। (Teaching is a formal and informal process).
10. शिक्षण सीखने का संगठन है। (Teaching is an organization of learning).
11. शिक्षण प्रगतिशील होता है। (Teaching is progressive).
12. शिक्षण संवेगात्मक स्थिरता उत्पन्न करता है। (Teaching leads to emotional stability).
13. शिक्षण सहानुभूतिपूर्ण होता है। (Teaching is sympathetic).

शिक्षण और प्रशिक्षण में अन्तर
(Difference between Teaching and Training)

शिक्षण (Teaching)	प्रशिक्षा (Training)
(1) शिक्षण में आदतों का निर्माण किया जाता है।	(1) इसमें आदतों को स्वरूप प्रदान किया जाता है।
(2) यह किसी भी वस्तु के सैद्धान्तिक पक्षों (Theoretical Aspects) तथा ज्ञान के प्रतिपादन से सम्बन्धित होता है।	(2) इसका सम्बन्ध व्यवहार परिवर्तन तथा दक्षता विकास से होता है।
(3) शिक्षण ज्ञान प्रदान करता है।	(3) प्रशिक्षण शिक्षण द्वारा प्राप्त ज्ञान को आगे बढ़ाता है।
(4) शिक्षण विभिन्न कौशलों (Skills) द्वारा होता है।	(4) प्रशिक्षण में विभिन्न कौशलों को अर्जित करने की प्रक्रिया का समावेश होता है।
(5) शिक्षण द्वारा शिक्षा के उच्च स्तरों को प्राप्त किया जा सकता है।	(5) प्रशिक्षण द्वारा व्यक्ति को शिक्षा के उच्च स्तरों पर नहीं ले जाया जा सकता है।